an>

Title: Regarding destroy of wheat crops in Punjab due to high heat and floo and compensation of farmers thereof.

***m01 श्रीमती हरसिमरत कौर बादल (भटिंडा):** शुक्रिया, सर ।

सर, मेरे क्षेत्र में पिछले कुछ समय से किसानों के ऊपर बहुत बड़ी मुसीबत आ हुई है। आप जानते हैं कि कुछ समय पहले, जब व्हीट की क्रॉप थी, तब मार्च क महीने में इतनी गर्मी आ गई कि उसका ग्रेन सिकुड़ गया, उसकी आउटपुट कम ह गई और जब उसको एक्सपोर्ट करके दो पैसे किसान को मिलने थे, तब सरकार उस पर बैन लगा दिया। अब दूसरी क्रॉप आई है, तो बरसात की वजह से वहां इतन बाढ़ आ गई है कि वहां लगता है जैसे खेत नहीं, वहां पर नदियां बह रही हैं और सा फसल खराब हो गई। इससे पहले नरमा, जो कॉटन क्रॉप है, उसमें लगातार ती साल से बीमारियां लग रही हैं, कभी सुण्डी, कभी सफेद मच्छर लग रहे हैं। इ कारण से किसानों को अपनी तैयार फसल को अपरूट करना पड़ रहा है। इस बा हमारी सरकार ने, मुख्यमंत्री ने सारे किसानों को कहा कि आप मूंग की फसल बोइ और 7250 रुपये की एमएसपी पर सरकार उसकी खरीद करेगी, लेकिन बहुत दु की बात है कि मूंग की 4 लाख टन की जो क्रॉप आई है, उसमें से 10 प्रतिशत भ सरकार ने खरीद नहीं की है और 90 प्रतिशत किसानों को उसे एमएसपी से नीचे, हजार से 6 हजार रुपये में प्राइवेट प्लेयर्स को बेचना पड़ा है।

सर, एक तरफ से बाढ़, एक तरफ से बीमारी, एक तरफ से एमएसपी नहीं है गरीबों के मकान बाढ़ में बह गए हैं और सारी मजदूरी खत्म हो गई है। हमारे मुख मंत्री हेलीकॉप्टर से देखकर चले गए और उन्होंने किसानों से बात तक नहीं की। अ उनके घरों में मच्छर पैदा हो रहे हैं, बीमारी फैल रही है। हमारे मैम्बर ऑप पार्लियामेंट, हमारे प्रेसिडेंट और हम लोग जाकर मदद कर रहे हैं, लेकिन हमा सरकार कुछ नहीं कर रही है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अपील करती हूं कि केन्द्र इस बार किसानों की बाजू पकड़े। किसान देश का पेट पालने में सबसे ब योगदान डालता है तो आप पंजाब के किसानों को कोई कंपेसेशन दीजिए।